

Printed Pages : 4

Roll No.....

REFNO 091082

LL.B. (Hons.) Semester-III

Examination, 2025-26

Law

Paper : LBH-211

Jurisprudence

Time : Three Hours

Full Marks : 70

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **five** questions. All questions carry equal marks.

किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "Jurisprudence is a Science of first Principle of civil law". Discuss and compare this definition with other definitions of Jurisprudence.

“विधि शास्त्र सिविल विधि के प्रथम सिद्धांत का एक विज्ञान है। विवेचना कीजिए तथा इस परिभाषा की तुलना सिविल विधि शास्त्र की अन्य प्रमुख परिभाषाओं से कीजिए।

P.T.O.

2. Discuss Hans Kelsen's hierarchy of norms and explain how his pure theory of law provides a scientific basis for understanding the legal order ?

हंस केल्सन के मानदंडों के पदानुक्रम पर चर्चा कीजिए तथा यह स्पष्ट कीजिए कि उनका शुद्ध विधि का सिद्धांत विधिक व्यवस्था को समझाने के लिए किस प्रकार एक वैज्ञानिक आधार प्रदान करता है ?

3. Discuss Sir Henry Maine's contribution to the Historical School of Jurisprudence, focusing on his theory of legal evolution from "Status to contract".

सर हेनरी मेन के ऐतिहासिक विधि शास्त्र में योगदान की विवेचना उनके "प्रास्थिति से संविदा" तक के विधिक विकास के सिद्धांत पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए कीजिए।

4. Explain Eugen Ehrlich's concept of "Living Law". How does his distinction between "Law in Books" and "Law in action" enhance our understanding of the social foundation of law.

यूजेन एहरलिच की "जीवंत विधि" की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। यह स्पष्ट कीजिए कि "पुस्तकों में विधि" और "क्रियाशील विधि" के मध्य उनका भेद हमारी विधि की सामाजिक आधारशिला की समझ को किस प्रकार गहन बनाता है।

5. Examine the main tenets of Natural Law Theory and discuss its twentieth century revival and influence on legal thought.

प्राकृतिक विधि के सिद्धांत के मुख्य सिद्धांतों का परीक्षण कीजिए तथा बीसवीं शताब्दी में इसके पुनरुत्थान एवं विधिक चिंतन पर उसके प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

6. Critically examine the main ideas of the American Realist School of Jurisprudence focusing on the contribution of Karl Llewellyn.

अमेरिकी यथार्थवादी विधिशास्त्र के प्रमुख विचारों का कार्ल लेवेल्लिन के योगदान पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

7. Examine the relationship between Law, Morality and Justice can a law that conflicts with moral principles still be considered just ?

विधि, नैतिकता तथा न्याय के पारस्परिक संबंध की परीक्षा कीजिए। क्या कोई ऐसी विधि जो नैतिक सिद्धांतों से प्रतिकूल हो, फिर भी न्यायसंगत मानी जा सकती है ?

REFNO 091082

8. Write short notes on any two of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) Savignys Volksgeist theory

सैविनी का लोक चेतना का सिद्धांत

(b) Iherings theory of social interest

इहेरिंग का सामाजिक हित का सिद्धांत

(c) Possession is nine points of ownership

कब्जा स्वामित्व के नौ अंशों के बराबर होता है

(d) Animus Possidendi and corpus possessions

एनिमस पासिडेन्डी एण्ड कॉर्पस पजेशन्स

Printed Pages : 4

Roll No.....

REFNO 091092

LL.B. (Hons.) Semester-III
Examination, 2025-26

Law

Paper : LBH-212

Family Law-I (Hindu Law)

Time : Three Hours

Full Marks : 70

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **five** questions. **All** questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. What are the sources of Hindu Law ? Discuss also the contribution of legislation as a source of Hindu Law.

हिन्दू विधि के कौन-कौन से स्रोत हैं ? हिन्दू विधि के स्रोत के रूप में विधायन के योगदान की विवेचना कीजिए।

P.T.O.

2. What are the differences between the Mitakshara and the Dayabhaga schools of Hindu Law ?

हिन्दू विधि के मिताक्षरा और दायभाग पद्धतियों में मुख्य भेद क्या हैं ?

3. Discuss the general rules of succession to property of a male Hindu dying intestate as provided under the Hindu Succession Act, 1956.

हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 में उपबंधित उन नियमों की विवेचना कीजिए जिसके द्वारा किसी निर्वसीयत मरने वाले हिन्दू पुरुष की सम्पत्ति का उत्तराधिकार निर्धारित होता है।

4. "Hindu Marriage is a sacrament not a contract." Explain with the essential conditions for a valid Hindu marriage.

“हिन्दू विवाह एक पवित्र संस्कार है न कि संधिदा” एक वैध हिन्दू विवाह की आवश्यक शर्तों का वर्णन करते हुए उपरोक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।

5. Name the grounds of divorce available in Hindu Marriage Act, 1955. Explain any two of them with relevant cases and provisions.

हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 में वर्णित तलाक के कौन से आधार हैं। किन्हीं दो आधारों को अधिनियम के प्रावधानों तथा निर्धारित वादों की मदद से स्पष्ट कीजिए।

6. What are the essential conditions for a valid Hindu adoption ? Who can take a child in adoption ? Explain it with relevant case law.

एक वैध हिन्दू दत्तक के लिये क्या-क्या आवश्यक शर्तें हैं ? एक बच्चे को दत्तक में कौन ले सकता है ? सुसंगत वादों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

7. Discuss provisions of maintenance of widowed daughter in law provided in the Hindu Adoption and maintenance Act, 1956.

हिन्दू दत्तक ग्रहण स्वम भरण पोषण अधिनियम, 1956 में प्रदत्त विधवा-बेटी के भरण-पोषण के प्रावधानों की विवेचना कीजिए।

REFNO 091092

8. Write notes on any two of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) Maintenance pendant life

वांछकालीन भरण पोषण

(b) Full blood and half-blood relationship

पूर्ण रक्त सम्बन्धी व अर्ध रक्त सम्बन्धी

(c) Void and voidable marriage

शून्य एवं शून्यकरणीय विवाह

(d) Who is Hindu ?

हिन्दू कौन हैं ?

Printed Pages : 4 Roll No.....

REFNO 091097

LL.B. (Hons.) Semester-III
Examination, 2025-26

Law

Paper : LBH-213

Property Law

Time : Three Hours

Full Marks : 70

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Attempt any five questions. All questions carry equal marks.

किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "Transferability of property is the general rule and its non-transferability is an exception." Referring to decided cases, explain the relevant provisions of the Transfer of Property Act, 1882.

“सम्पत्ति की अन्तरणीयता सामान्य नियम है और इसका अहस्तान्तरणीयता एक-अपवाद है।” निर्णीत वादों को उद्धृत करते हुए, सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 के अन्तर्गत सुसंगत प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।

P.T.O.

2. (a) "Although the Transfer of Property Act, 1882 deals with alienations as between living persons, still an interest may be created in favour of persons not yet born." Discuss.

“यद्यपि सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 जीवित व्यक्तियों के अन्तरण से संबंधित है, लेकिन एक हित अज्ञात व्यक्तियों के लिए भी सृजित किया जा सकता है।

- (b) Discuss the 'Rule against perpetuity'. Is there any exception to the rule?

‘शाश्वतता के विरुद्ध’ नियम की विवेचना कीजिए। क्या इस नियम का कोई अपवाद है ?

3. Who is an ostensible owner? Under what circumstances a transfer of immovable property by an ostensible owner is binding upon the real owner? Explain.

‘दृश्यमान स्वामी’ कौन हैं ? दृश्यमान स्वामी द्वारा अचल सम्पत्ति का अन्तरण किन परिस्थितियों में असली स्वामी पर बाध्यकारी है। स्पष्ट कीजिए।

4. Define and distinguish between any two of the following :

निम्नलिखित को परिभाषित करते हुए निम्नलिखित में से किन्हीं दो के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए :

- (i) Vested Interest and contingent interest
निहित हित एवं समांशित हित
- (ii) Mortgage by Conditional Sale and usufructuary mortgage
सशर्त विक्रय द्वारा बन्धक एवं भोग बन्धक
- (iii) Sale and Exchange
विक्रय एवं विनिमय
5. (a) Explain the doctrine of 'Lis Pendens.'
'लम्बित वाद' के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
- (b) What is Fraudulent transfer ? Who can taken the plea of fraud ? Discuss.
कपटपूर्ण अन्तरण क्या है ? कपट का तर्क कौन ले सकता है ? विवेचना कीजिए।
6. "Once a mortgage always a mortgage, nothing but a mortgage". Discuss.
"एक बन्धक सर्वदा बन्धक होता है, बन्धक के अलावा कुछ भी नहीं।" विवेचना कीजिए।
7. Define Lease and point out the circumstances under which a lease of an immovable property - is determined.
पट्टे को परिभाषित कीजिए तथा उन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए जिनके अन्तर्गत एक स्थावर सम्पत्ति के पट्टे का पर्यवसान हो जाता है।

REFNO 091097

8. Write short notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :

(a) Immovable property

स्थावर सम्पत्ति

(b) Constructive Notice

आन्वयिक सूचना

(c) Subrogation

प्रत्यासन

(d) Gift

दान

Printed Pages : 4

Roll No.....

REFNO 091101

LL.B. (Hons.) Semester-III

Examination, 2025-26

Law

Paper : LBH-214

Administrative Law

Time : Three Hours

Full Marks : 70

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note : Answer any five questions. All questions carry equal marks.

किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "Administrative Law regulates the procedures on the basis of which a number of the subjects of the government - local, state, federal - exercise their powers." In light of the sentence, discuss the definition and characteristics of Administrative law with suitable illustrations.

“प्रशासनिक कानून उन प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है जिनके आधार पर सरकार के कई विषय स्थानीय, राज्य, संघीय - अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हैं।” वाक्य के प्रकाश में, उपयुक्त उदाहरणों के साथ प्रशासनिक कानून की परिभाषा और विशेषताओं पर चर्चा करें।

P.T.O.

2. "In the separation of power globally, countries have adopted varying degrees of separation tailored to their specific legal traditions and historical contexts." In light of the statement, discuss the core principles and their components involved by the countries in the applicability of the separation of power.

“वैश्विक स्तर पर शक्ति पृथक्करण में देशों ने अपनी विशिष्ट कानूनी परंपराओं और ऐतिहासिक संदर्भों के अनुरूप पृथक्करण की भिन्न-भिन्न मात्राएं अपनाई हैं।” इस कथन के आलोक में, शक्ति पृथक्करण की प्रयोज्यता में देशों द्वारा शामिल मूल सिद्धान्तों और उनके घटकों पर चर्चा कीजिए।

3. Referring Dr. Bentley's case (1723), discuss in detail how the natural justice evolved from moral philosophy to a universally accepted doctrine in modern legal frameworks with suitable illustration.

डॉ. बेंटले के मामले (1723) का उल्लेख करते हुए, उपयुक्त उदाहरण के साथ विस्तार से चर्चा करें कि कैसे प्राकृतिक न्याय नैतिक दर्शन से विकसित होकर आधुनिक कानूनी ढांचे में एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सिद्धांत बन गया।

4. "Delegated legislation is a term which covers a multitude of confusing powers where by Ministers and other authorities are given power to make rules of law." In light of the definition above, discuss the constitutional basis of delegated legislation in India.

“प्रत्यायोजित विधान एक ऐसा शब्द है जो अनेक प्रकार की आमक शक्तियों को समाहित करता है जिसके द्वारा मंत्रियों और अन्य प्राधिकारियों को कानून के नियम बनाने की शक्ति प्रदान की जाती है। उपरोक्त परिभाषा के आलोक में, भारत में प्रत्यायोजित विधान के संवैधानिक आधार पर चर्चा कीजिए।

5. Examine the development and origin of the writ of jurisdiction in India, and how a quick remedy against infringement of rights and injustice can be achieved through writs. Enumerate circumstances when the court refuses and issues these writs.

भारत में अधिकारिता रिट के विकास और उत्पत्ति का परीक्षण कीजिए, तथा यह भी बताइए कि अधिकारों के उल्लंघन और अन्याय के विरुद्ध रिट के माध्यम से त्वरित समाधान कैसे प्राप्त किया जा सकता है। उन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए जब न्यायालय ने इन रिटों को जारी करने से इनकार कर दिया।

6. Investigate the historical evolution, legal frameworks, and functional roles of the central administrative tribunal in India.

भारत में केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के ऐतिहासिक विकास, कानूनी ढांचे और कार्यात्मक भूमिकाओं की जांच करें।।

7. Analyse the statement below with the help of suitable judgments and provisions of the Indian Constituion : "Legal domination is an idea of government of law rather than an idea of men. The supremacy of law is the ultimate aim of the rule of law.

भारतीय संविधान के उपयुक्त निर्णयों और प्रावधानों की सहायता से नीचे दिए गए कथन का विश्लेषण कीजिए :
“कानूनी प्रभुत्व, व्यक्तियों के विचार से ज्यादा, कानून के शासन का एक विचार है। कानून की सर्वोच्चता ही कानून के शासन का अंतिम लक्ष्य है।”

8. Write short note on any two points :

किन्हीं दो बिन्दुओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (a) Procedural control of delegated legislation.
प्रत्यायोजित विधान की प्रक्रियात्मक नियंत्रण
- (b) Relation between Administrative Law and Constitutional Law
प्रशासनिक कानून और संवैधानिक कानून के बीच संबंध
- (c) Frank's committee's recommendation on the tribunal.
ट्रिब्यूनल पर फ्रैंक की समिति की सिफारिश
- (d) Scope of the principle of Natural Justice,
प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का दायरा।
